व्यापार की योजना

पर

आय सृजन गतिविधि

– बुनाई

के लिए

स्वयं सहायता समूह-जय माता आशापुरी

एसएचजी/सीआईजी नाम	माता आशापुरी
वीएफडीएस नाम	नलियाना
रेंज	कमलाह
मंडल	जोगिंदरएनअगर

के तहत तैयार-

हिमाचल प्रदेश वन पारिस्थितिकी तंत्र प्रबंधन एवं आजीविका सुधार परियोजना (जेआईसीए सहायता प्राप्त)

स्वयं सहायता समूह का नाम: जय माता आशापुरी **वीएफडीएस:** नलियाना **श्रेणी:** कमलाह **वन मंडल** :जोगिंदर नगर

विषयसूची

क्र.सं.	विवरण	पृष्ठ क्रमांक.
1.	परिचय	3
2.	विवरणएसएचजी/सीआईजी का	4
3.	लाभार्थियोंविवरण	5
4.	भौगोलिकगांव का विवरण	6
5.	बाजार की संभावना	6
6.	कार्यकारिणीसारांश	7
7.	आय सृजन गतिविधि से संबंधित उत्पाद का विवरण	7
8.	उत्पादन का विवरणप्रक्रिया	7
9.	स्वोट अनालिसिस	7-8
10.	विवरणसदस्यों के बीच प्रबंधन का	8
11।	विवरणअर्थशास्त्र का	8-10
12.	स्वयं सहायता समूह में निधि प्रवाह व्यवस्था	10
13.	निधि के स्रोत	10-11
14.	प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण/कौशल उन्नयन	11
15.	ब्रेक-ईवन बिंदु की गणना	11
16.	किनाराकर्ज का भुगतान	11-12
17.	निगरानीतरीका	12
18.	टिप्पणी	12
19.	समूह सदस्य की तस्वीरें	13
20.	समूह फोटो	14
21.	संकल्प-सह-समूह सर्वसम्मति प्रपत्र	15
22.	वीएफडीएस और डीएमयू द्वारा व्यावसायिक अनुमोदन	16

स्वयं सहायता समूह का नाम: जय माता आशापुरी **वीएफडीएस:** नलियाना **श्रेणी:** कमलाह **वन मंडल** :जोगिंदर नगर

1. परिचय-

स्वेटर और कार्डिगन बुनने के साथ-साथ मोजे, मफलर, स्कार्फ, टोपी, दस्ताने आदि बुनना मुख्य रूप से ग्रामीण भारत की महिलाओं के बीच एक आम घरेलू गतिविधि है। अधिकांश महिलाएं इस IGA से अच्छी तरह वाकिफ हैं और वे अपने खाली समय में और साथ ही घर के अन्य कामों के साथ इसे खुशी-खुशी करती हैं। इस SHG की महिलाएं अपने परिवार के सदस्यों की जरूरतों को पूरा करने के लिए पहले से ही सक्रिय हैं। अब सदस्यों ने इस गतिविधि को IGA के रूप में चुना है ताकि वे अपने खर्चों को पूरा करने के लिए अतिरिक्त पैसे कमा सकें और मुश्किल समय के लिए कुछ बचत भी कर सकें। विभिन्न आयु वर्ग की 9 महिलाओं का एक समूह JICA परियोजना के तहत एक SHG बनाने के लिए एक साथ आया और एक व्यवसाय योजना तैयार करने का फैसला किया, जो उन्हें इस IGA को सामूहिक रूप से लेने और अपनी अतिरिक्त आय बढ़ाने में मदद कर सके।

इस IGA (आय सृजन गतिविधि) में शामिल होने से पहले बाजार की संभावनाओं और विभिन्न पहलुओं पर बहुत सावधानी से चर्चा करने के बाद। जय माता आशापुरी SHG समूह ने सामूहिक रूप से बुनाई को अपनी आय सृजन गतिविधि (IGA) के रूप में करने का निर्णय लिया है। जय माता आशापुरी SHG का गठन वर्ष 2022 में किया गया था और इसे हिमाचल प्रदेश वन पारिस्थितिकी तंत्र प्रबंधन और आजीविका (JICA सहायता प्राप्त) के सुधार परियोजना के तहत भी शामिल किया गया है, जो VFDS नलियाना के अंतर्गत आता है। इस SHG में 9 महिलाएं हैं। इन महिलाओं को बुनाई का थोड़ा अनुभव था और अब इस परियोजना के वित्तपोषण, प्रशिक्षण और सहायता की मदद से वे इस कौशल को विकसित करेंगी और पेशेवर बन जाएंगी। वे बड़े पैमाने पर बुनाई कर सकेंगी और आत्मनिर्भर बनकर आय उत्पन्न करेंगी। इस SHG की विस्तृत व्यवसाय योजना इसकी निवेश क्षमता, विपणन और प्रचार रणनीति के अनुसार तैयार की गई है

स्वयं सहायता समूह का नाम: जय माता आशापुरी **वीएफडीएस:** नलियाना **श्रेणी:** कमलाह **वन मंडल** :जोगिंदर नगर

2. एसएचजी/सीआईजी का विवरण

1.	एसएचजी/सीआईजी नाम	जय माता आशापुरी एसएचजी नलियाणा
2.	वीएफडीएस	नलियाना
3.	रेंज	कमलाह
4.	मंडल	जोगिंदर नगर
5.	गाँव	नलियाना
6.	ब्लॉक ऑफिस	धरमपुर
7.	ज़िला	मंडी
8.	एसएचजी में सदस्यों की कुल संख्या	9
9.	गठन की तिथि	5/8/2021
10.	बैंक खाता सं.	33210107438
11।	बैंक विवरण	एचपीएससीबी लिमिटेड
12.	एसएचजी/सीआईजी मासिक बचत	450(50 प्रति व्यक्ति)
13.	कुल बचत	2250
14.	कुल अंतर ऋण	-
15.	नकद क्रेडिट सीमा	-
16.	पुनर्भुगतान स्थिति	-

3. लाभार्थियों का विवरण

एस।एनओ	नाम	एम/एफ	पिता/ पति का नाम	वर्ग	पद का नाम	संपर्क नंबर।
1	अंजू देवी	एफ	संजीव कुमार	सामान्य	अध्यक्ष	8219746109
2	पूनम	एफ	भूपेंद्र सिंह	सामान्य	सचिव	9816063951
3	रजनी देवी	एफ	राकेश कुमार	सामान्य	सदस्य	9459731205
4	बीना देवी	एफ	कश्मीर सिंह	सामान्य	सदस्य	6230006937
5	मंजुला	एफ	वीरेंद्र पठानिया	सामान्य	सदस्य	7807219369
6	रीनू कुमारी	एफ	सुनील कुमार	सामान्य	सदस्य	9816039962
7	रीना देवी	एफ	राजीव कुमार	सामान्य	सदस्य	9625913851
8	जियानो देवी	एफ	प्रेम सिंह	सामान्य	सदस्य	8219885850
9	बबली देवी	एफ	जोगिंदर सिंह	सामान्य	सदस्य	8219885850

स्वयं सहायता समूह का नाम: जय माता आशापुरी **वीएफडीएस:** नलियाना **श्रेणी:** कमलाह **वन मंडल** :जोगिंदर नगर

4. गांव का भौगोलिक विवरण

1	जिला मुख्यालय से दूरी	120 किमी
2	मुख्य सड़क से दूरी	2 किमी
3	स्थानीय बाजार का नाम एवं दूरी	गढ़ीधार -5 किमी
4	मुख्य बाजार का नाम एवं दूरी	तिहरा -6 किमी
5	मुख्य शहरों के नाम एवं दूरी	मंडी - 120 किमी सरकाघाट -35 किमी धरमपुर - 25 किमी सैंडहोल -25 किमी
6	मुख्य शहरों का नाम जहां उत्पाद बेचा/विपणन किया जाएगा	सरकाघाट, धरमपुर, संधोल, अवाह देवी

5. बाजार की संभावनाएं-

बुनाई का हुनर सीखने के बाद जय माता आशापुरी स्वयं सहायता समूह अपने क्षेत्र और आस-पास के गांवों की स्थानीय आबादी को लक्षित करेगा। फैशन में तेजी से हो रहे बदलाव के साथ बाजार की अपार संभावनाएं हैं, सर्दियों के मौसम में नए डिजाइन के स्वेटर या ऊनी कार्डिगन की मांग होगी। शुरुआत में SHG के प्राथमिक ग्राहक ज़्यादातर नलयाना गांव के आस-पास के स्थानीय लोग होंगे, लेकिन बाद में आस-पास की छोटी-छोटी बस्तियों में जाकर इस व्यवसाय को बढ़ाया जा सकता है। इस क्षेत्र में सर्दी का मौसम बहुत ज़्यादा होता है और 4-5 महीने तक रहता है।

1	संभावित बाज़ार स्थान/स्थान	कवर किया गया गांव - नलियाना
2	सिलाई कार्य की मांग	वर्ष भर तथा सर्दियों के मौसम में इसकी मांग अधिक रहती है।
3	बाजार की पहचान की प्रक्रिया	समूह के सदस्य आस-पास के ग्रामीणों/परिवारों/संस्थाओं से संपर्क करेंगे।
4	विपणन रणनीति	स्वयं सहायता समूह के सदस्य सीधे तौर पर आस-पास के ग्रामीणों/परिवारों/संस्थाओं से ऑर्डर लेंगे (व्यक्तिगत स्तर/समूह स्तर)।

6. कार्यकारी सारांश-

इस स्वयं सहायता समूह द्वारा बुनाई आय सृजन गतिविधि का चयन किया गया है। यह IGA इस SHG की सभी महिलाओं द्वारा किया जाएगा। यह व्यवसायिक गतिविधि समूह के सदस्यों द्वारा सालाना की जाएगी। सदस्य इस गतिविधि को अलग-अलग कर रहे हैं, लेकिन अब वे अपने कौशल को बढ़ाने के लिए उचित प्रशिक्षण प्राप्त करने के बाद इस गतिविधि को थोड़े बड़े पैमाने पर और योजनाबद्ध तरीके से करने के लिए हाथ मिला रहे हैं। इस समूह द्वारा विभिन्न प्रकार के ऊनी उत्पाद बनाए जाएंगे। वे सभी आयु वर्ग और लिंग को लक्षित करेंगे।सदस्यों के बीच श्रम विभाजन की योजना सावधानीपूर्वक बनाई गई है ताकि प्रत्येक सदस्य IGA को मजबूत करने में योगदान दे सके और परिणामस्वरूप उनकी जेब में अतिरिक्त पैसा आए। यह SHG आने वाले वर्षों में अपने संचालन के क्षेत्र में गुणवत्तापूर्ण कार्य के साथ सबसे प्रसिद्ध बुनाई केंद्र बनना सुनिश्चित करेगा।

7. आय सृजन गतिविधि से संबंधित उत्पाद का विवरण-

1	उत्पाद का नाम	ऊनी कार्डिगन
2	उत्पाद पहचान की विधि	समूह के सदस्यों द्वारा निर्णय लिया गया है
3	एसएचजी/सीआईजी/क्लस्टर सदस्यों की सहमति	हाँ

8. उत्पादन प्रक्रियाओं का विवरण-

1	समय लिया	एक स्वेटर बनाने में लगभग 5-6 घंटे लगते हैं।
2	शामिल महिलाओं की संख्या	सभी महिलाएं
3	कच्चे माल का स्रोत	स्थानीय बाजार/मुख्य बाजार
4	अन्य संसाधनों का स्रोत	स्थानीय बाजार/मुख्य बाजार
5	प्रतिदिन अपेक्षित स्वेटर	शुरुआत में 7 स्वेटर

9. स्वोट अनालिसिस-

❖ ताकत □

- कुछ SHG सदस्यों द्वारा पहले से ही गतिविधि की जा रही है□
- कच्चा माल आस-पास के बाजारों से आसानी से उपलब्ध है □
- विनिर्माण प्रक्रिया सरल है □
- उचित पैकिंग और परिवहन में आसान □
- परिवार के अन्य सदस्य भी लाभार्थियों का सहयोग करेंगे

❖ कमजोरी

- तकनीकी जानकारी का अभाव।

❖ अवसर

- नवीनतम डिजाइन वाले अच्छे उत्पादों की मांग बढ़ रही है।

❖ खतरे और जोखिम

- प्रतिस्पर्धी बाजार
- प्रशिक्षण/क्षमता में भागीदारी के प्रति लाभार्थियों में प्रतिबद्धता का स्तर निर्माण और कौशल उन्नयन।

10.सदस्यों के बीच प्रबंधन का विवरण

आपसी सहमति से एसएचजी समूह के सदस्य काम को अंजाम देने के लिए अपनी भूमिका और जिम्मेदारी तय करेंगे। सदस्यों के बीच काम उनकी मानसिक और शारीरिक क्षमताओं के अनुसार बांटा जाएगा। चूंकि यह एसएचजी में उनके नियमित घरेलू काम के अलावा एक अतिरिक्त गतिविधि है, इसलिए परिणाम प्रत्येक सदस्य के काम के घंटों के अनुपात में होगा। हमेशा शुरुआत में उत्पादन को रूढ़िवादी पक्ष पर रखना बेहतर होता है जिसे समय बीतने और कार्य अनुभव के साथ बढ़ाया जा सकता है। इसलिए, यह माना जाता है कि प्रत्येक सदस्य अंतिम रूप से तैयार उत्पाद के रूप में प्रतिदिन एक वस्तु का उत्पादन करेगा और प्रतिदिन 9 वस्तुएं बिक्री के लिए उपलब्ध कराई जा सकती हैं।

11.अर्थशास्त्र का विवरण -

ए. पूंजीगत लागत				
क्र. सं.	विवरण	मात्रा	यूनिट मूल्य	राशि (रु.)
1	पंच कार्ड बुनाई मशीन	1	24000	24000
2	बुनाई मशीन (सरल)	9	6000	54000
3	बुनाई डिजाइन पुस्तक	1	1500	1500
4	गोला बनाने की मशीन	5	600	3000
5	काम करने की मेज	9	1500	13500
6	प्लास्टिक की कुर्सियाँ	9	600	5400
कुल पूंजी लागत (ए) = 1,01,400 रुपये				

B. आवर्ती लागत			
क्र. सं.	विवरण	इकाई	कुल राशि (रु.)
1	पानी और बिजली	महीना	1000
2	कमरे का किराया	महीना	1500
3	टूट फूट	महीना	1400
4	स्नेहन तेल और पिपेट	महीना	1400
5	विभिन्न रंग और गुणवत्ता के बुनाई धागे	महीना	40,500
कुल आवर्ती लागत = 45,800			

मूह के सदस्य स्वयं कार्य करेंगे, इसलिए श्रम लागत इसमें शामिल नहीं की गई है तथा सदस्य आपस में कार्यसूची का प्रबंध करेंगे।

सी. उत्पादन लागत (मासिक)		
क्र. सं.	विवरण	मात्रा
1	कुल आवर्ती लागत	45,800
2	पूंजीगत लागत पर 10% वार्षिक मूल्यह्रास	10,140
कुल =55,940		

डी. विक्रय मूल्य गणना			
क्र. सं.	विवरण	इकाई	मात्रा
1	सरल स्वेटर	1	500
2	लम्बे स्वेटर, बटन वाले स्वेटर।	1	700

लागत लाभ विश्लेषण (मासिक)

लागत लाभ विश्लेषण (मासिक)		
क्र. सं.	विवरण	मात्रा
1	पूंजीगत लागत पर 10% वार्षिक मूल्यह्रास	10140

2	कुल आवर्ती लागत	45800
3	प्रति माह कुल बुना हुआ स्वेटर	190
4	स्वेटर का विक्रय मूल्य	190×500
5	आय पीढ़ी	95,000
6	शुद्ध लाभ (आय सृजन - आवर्ती लागत)	49200
7	शुद्ध लाभ का वितरण	✓ लाभ को मासिक/वार्षिक आधार पर सदस्यों के बीच समान रूप से वितरित किया जाएगा। ✓ लाभ का उपयोग आईजीए में आगे निवेश के लिए किया जाएगा

12. स्वयं सहायता समूह में निधि प्रवाह व्यवस्था -

क्र. सं.	विवरण	कुल राशि (रु.)	परियोजना योगदान	एसएचजी योगदान
1	कुल पूंजी लागत	1,01,400	76,050	25,350
2	कुल आवर्ती लागत	45,800	0	45,800
3	प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण/कौशल उन्नयन।	60,000	60,000	0
कुल		2,07,200	82,050	71,150

टिप्पणी:

i) पूंजीगत लागत- 75% पूंजीगत लागत परियोजना द्वारा वहन की जाएगी क्योंकि समूह महिलाओं का है और वे 25% गरीब हैं तथा 25% स्वयं सहायता समूह द्वारा।

ii) आवर्ती लागत - स्वयं सहायता समूह द्वारा वहन की जाएगी।

iii) प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण/कौशल उन्नयन का खर्च परियोजना द्वारा वहन किया जाएगा।

13. निधि के स्रोत -

परियोजना समर्थन	✧ यदि सदस्य सामान्य श्रेणी के अलावा अन्य श्रेणी के हैं तो परियोजना द्वारा पूंजी लागत का 75% वहन किया जाएगा। यदि सदस्य सामान्य श्रेणी के हैं तो परियोजना द्वारा पूंजी लागत का 50% वहन किया जाएगा। ✧ स्वयं सहायता समूह के बैंक खाते में 1 लाख रुपए तक की धनराशि जमा की जाएगी।	खरीद मशीनों/उपकरणों का आवंटन सभी कोडल औपचारिकताओं का पालन करने के बाद संबंधित डीएमयू/एफसीसीयू द्वारा किया जाएगा।

	✧ प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण/कौशल उन्नयन लागत। ✧ 5% ब्याज दर की सब्सिडी सीधे डीएमयू द्वारा बैंक/वित्तीय संस्थान में जमा की जाएगी और यह सुविधा केवल तीन वर्षों के लिए होगी। स्वयं सहायता समूहों को नियमित आधार पर मूलधन की किश्तों का भुगतान करना होगा।	
एसएचजी योगदान	✧ सामान्य श्रेणी और अन्य श्रेणियों के लिए पूंजीगत लागत का 50% या 25% क्रमशः स्वयं सहायता समूह द्वारा वहन किया जाएगा। ✧ सभी सदस्य महिलाएं हैं और निम्न आय वर्ग से हैं तथा वे 25% योगदान दे सकती हैं तथा परियोजना को शेष 75% वहन करना होगा। ✧ आवर्ती लागत स्वयं सहायता समूह द्वारा वहन की जाएगी।	

14. प्र
शि
क्षण/क्षमता निर्माण/कौशल उन्नयन -

प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण/कौशल उन्नयन लागत परियोजना द्वारा वहन की जाएगी।

निम्नलिखित कुछ प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण/कौशल उन्नयन प्रस्तावित/आवश्यक हैं:

- ✧ कच्चे माल की लागत प्रभावी खरीद
- ✧ गुणवत्ता नियंत्रण
- ✧ पैकेजिंग और विपणन
- ✧ वित्तीय प्रबंधन

15. ब्रेक-ईवन बिंदु की गणना -

= पूंजीगत व्यय/(विक्रय मूल्य (प्रतिस्वेटर)-उत्पादन लागत (प्रतिस्वेटर))

=1,01,400/ (500-420)

=1268

इस प्रक्रिया में 1268 स्वेटर बुनने के बाद लाभ-हानि प्राप्त हो जाएगी।

16. बैंक ऋण चुकौती-

यदि ऋण बैंक से लिया गया है तो यह नकद ऋण सीमा के रूप में होगा और सीसीएल के लिए कोई पुनर्भुगतान अनुसूची नहीं है; तथापि, सदस्यों से मासिक बचत और पुनर्भुगतान रसीद सीसीएल के माध्यम से प्राप्त की जानी चाहिए।

- ✧ सीसीएल में, एसएचजी के बकाया मूल ऋण का भुगतान वर्ष में एक बार बैंकों को किया जाना चाहिए। ब्याज राशि का भुगतान मासिक आधार पर किया जाना चाहिए।

- ✧ सावधि ऋणों में, पुनर्भुगतान बैंकों में निर्धारित पुनर्भुगतान अनुसूची के अनुसार किया जाना चाहिए।

- ✧ परियोजना सहायता - 5% ब्याज दर की सब्सिडी सीधे डीएमयू द्वारा बैंक/वित्तीय संस्थान में जमा की जाएगी तथा यह सुविधा केवल तीन वर्षों के लिए होगी। एसएचजी/सीआईजी को नियमित आधार पर मूलधन की किश्तों का भुगतान करना होगा।

17.निगरानी विधि-

- ❖ वीएफडीएस की सामाजिक लेखा परीक्षा समिति आईजीए की प्रगति और निष्पादन की निगरानी करेगी तथा प्रक्षेपण के अनुसार इकाई का संचालन सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक होने पर सुधारात्मक कार्रवाई का सुझाव देगी।

- ❖ स्वयं सहायता समूह को प्रत्येक सदस्य की आईजीए की प्रगति और निष्पादन की समीक्षा करनी चाहिए तथा प्रक्षेपण के अनुसार इकाई का संचालन सुनिश्चित करने के लिए यदि आवश्यक हो तो सुधारात्मक कार्रवाई का सुझाव देना चाहिए।

निगरानी के लिए कुछ प्रमुख संकेतक इस प्रकार हैं:

- ✧ समूह का आकार
- ✧ निधि प्रबंधन
- ✧ निवेश
- ✧ आय पीढ़ी
- ✧ उत्पाद की गुणवत्ता

18.टिप्पणी

सभी सदस्य महिलाएं हैं और निम्न आय वर्ग से हैं तथा वे 25% योगदान दे सकती हैं। परियोजना को शेष 75% राशि वहन करनी होगी।

19.समूह सदस्य फ़ोटो:

मंजुला देवी

अंजू देवी

जियानो देवी

बीना कुमारी

रीनू देवी

रीना देवी

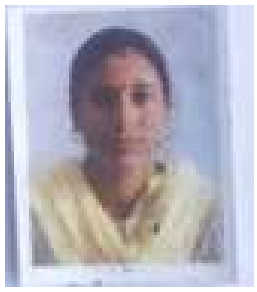

पुनम कुमारी

रजनी देवी

बबली देवी

स्वयं सहायता समूह का नाम: जय माता आशापुरी **वीएफडीएस:** नलियाना **श्रेणी:** कमलाह **वन मंडल** :जोगिंदर नगर

20.समूह फोटो:

स्वयं सहायता समूह का नाम: जय माता आशापुरी **वीएफडीएस:** नलियाना **श्रेणी:** कमलाह **वन मंडल** :जोगिंदर नगर

21.संकल्प-सह-समूह-सहमति प्रपत्र:

Resolution-cum-Group-consensus Form

It is decided in the General house meeting of the group Jai mata Ashapuri held on 06-07-2022 at Nalyana that our group will undertake the Knitting as livelihood Income Generation Activity under the project for Implementation of Himachal Pradesh Forest Ecosystem management and Livelihood (JICA assisted).

Anju Bobby

सचिव

जय माता आशापुरी

स्वंय सहायता समूह नलयाणा

उप-त० टिहरा, जिला मण्डी हि.प्र.

Signature of group president Signature of group secretary

प्रधान सचिव

ग्राम वन विकास समिति नल्याणा

डाकघर नल्याणा तहसील धर्मपुर

जिला मण्डी (हि० प्र०)

Signature of president VFDS

एस एस

22. वीएफडीएस और डीएमयू द्वारा व्यवसाय योजना अनुमोदन:

Business Plan Approval by VFDS and DMU

Jai Mata Ashapuri Group will undertaken the Knitting as livelihood Income Generation Activity under the project for Implementation of Himachal Pradesh Forest Ecosystem management and livelihood (JICA assisted). In this regard business plan of Amount Rs. 2,07,200 has been submitted by the group on 06-07-2022 Business Plan submitted to DMU through FTU to further action Please.

Thank You.

प्रधान सचिव
जय माता आशापुरी
स्वंय सहायता समूह नलयाणा
उप–त० टिहरा, जिला मण्डी हि०

Signature of group president

Signature of group secretary

प्रधान सचिव
ग्राम वन विकास समिति नल्याणा
डाकघर नल्याणा तहसील धर्मपुर
जिला मण्डी (हि० प्र०)

Signature of president VFDS

Approved

DMU cum DFO Joginder Nagar

D.M.U.-Cum-
Divisional Forest Officer
Joginder Nagar